एक नजर में

नगर माहेश्वरी समाज के आधार स्तंभ रमेशचंद्र काबरा का निधन, पुष्पांजलि सभा आज

पिपलियामण्डी। नगर के समाजसेवी, माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष एवं समाज के आधार स्तंभ रहे रमेशचंद्र काबरा का 72 वर्ष की आयु में अहमदाबाद में उपचार के दौरान निधन हो गया। नगर के सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक एवं राजनीतिक संगठनों ने इसे समाज की अपूरणीय क्षति बताया है। स्व. काबरा लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय थे। उन्होंने अपने कार्यकाल में माहेश्वरी समाज को संगठित एवं सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे सदैव समाज के हितों को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करते रहे। किसी भी सामाजिक आयोजन, धार्मिक अनुष्ठान या जनकल्याणकारी कार्यक्रम में उनकी सहभागिता प्रेरणादायी रहती थी। माहेश्वरी समाज की धर्मशाला के लिए भूमि उपलब्ध कराने में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। । काबरा अपने विनम्र स्वभाव, सौम्य व्यवहार और मिलनसार व्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे। वे समाज के प्रत्येक वर्ग से आत्मीय संबंध रखते थे। जरूरतमंदों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहना उनका स्वभाव था। अनेक परिवारों को उन्होंने समय-समय पर मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया। उनकी अंतिम यात्रा उनके निवास स्थान से पिपलिया पंथ तक निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन, नगरवासी, व्यापारी वर्ग, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए। लोगों ने पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। शोकमग्न वातावरण में सभी ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। उनके सुपुत्र पिपलियामंडी प्रेस क्लब के संरक्षक एवं भाजपा नेता मनोहर काबरा, राकेश काबरा, द्वारिकाधीश काबरा, निलेश काबरा तथा सुपौत्र रचित, तन्मय काबरा ने मुखाग्नि दी। 21 फरवरी, शनिवार को दोपहर 2 बजे माहेश्वरी धर्मशाला में उठावना एवं पुष्पांजलि सभा का आयोजन रखा गया है।

हिंदू हृदय सम्राट व हिंदू रक्षक छत्रपति शिवाजी महाराज की जन्म जयंती मनाई

मन्दसौर। परम वंदनीय बालासाहेब ठाकरे के आशीर्वाद से शिवसेना महाराष्ट्र उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, कैप्टन अभिजीत असूल, शिवसेना मध्य प्रदेश प्रभारी सुरेश गुर्जर, मध्य प्रदेश संगठन प्रमुख धनेश्वर महावर, मध्य प्रदेश राज्य प्रमुख राजीव चतुर्वेदी, मध्य प्रदेश महासचिव जितेन्द्र चतुर्वेदी, मध्य प्रदेश सचिव दिनेश प्रजापत, उज्जैन संभाग संगठन प्रमुख अशोक शर्मा, संभाग प्रमुख शांतिलाल पाटीदार के आदेश अनुसार प्रदेश महासचिव जितेंद्र चतुर्वेदी के मुख्य अतिथि में मंदसौर जिला प्रमुख कमलेश राजगुरु सहित उपस्थित पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने मंदसौर जिले में हिंदू रक्षक छत्रपति शिवाजी महाराज की जन्म जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित मध्य प्रदेश सचिव जितेंद्र चतुर्वेदी, मंदसौर जिला प्रमुख कमलेश राजगुरु महिला जिला प्रमुख विद्युतलता गुप्ता, मंदसौर जिला संगठन प्रमुख नरसिंह बैरागी, जिला प्रमुख पवन व्यास, जिला महासचिव राजू भाटी, सुवासरा तहसील प्रमुख व उनकी टीम के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बेहपुर में 126 जोड़ों का सामूहिक विवाह

मंदसौर। मंदसौर जिले के ग्राम बेहपुर में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 126 जोड़ों का सामूहिक विवाह समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। आयोजन में परंपरागत रीति-रिवाजों और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच वर-वधू ने सात फेरे लेकर वैवाहिक जीवन की नई शुरुआत की। इनमें से 60 जोड़ों को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का लाभ प्रदान किया गया, जिसके तहत प्रत्येक वधू को राज्य सरकार की ओर से 49 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

समारोह में साधु-संतों का सान्निध्य प्राप्त हुआ, वहीं जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, पूर्व विधायक सिसोदिया, जिला योजना समिति सदस्य राजेश दीक्षित, जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा, नानालाल अटोलिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण, वर-वधू के परिजन एवं पत्रकारगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

> इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि विवाह भारतीय संस्कृति की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है, जो परिवार और समाज की आधारशिला है। सामूहिक विवाह सम्मेलन आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद परिवारों के लिए सहयोग व संबल का प्रतीक हैं। सरकार गरीब परिवारों के साथ मित्र बनकर सदैव खड़ी है और उनकी बेटियों के सम्मानजनक विवाह के लिए निरंतर प्रयासरत है। वक्ताओं ने भारतीय परंपरा के 16 संस्कारों में पाणिग्रहण संस्कार को अत्यंत पवित्र बताते हुए कहा कि विवाह दो परिवारों और दो संस्कारों का मिलन है, जो हमारी संस्कृति और परंपरा की गरिमा को दर्शाता है। इस पावन बंधन के माध्यम से कन्या अपने नए जीवन की शुरुआत करती है और माता-पिता का आशीर्वाद उसके जीवन को नई दिशा देता है।

जनगणना 2027 के लिए चार्ज अधिकारियों का प्रशिक्षण संपन्न

मंदसौर। जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन के लिए नगरीय निकायों के चार्ज अधिकारियों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण कलेक्टर कार्यालय सभागार में 17 से 20 फरवरी तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में नगर पालिका व नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों तथा जनगणना लिपिकों ने भाग लिया। नोडल अधिकारी अभिषेक सिंह ठाकुर एवं अशोक चौबे ने प्रशिक्षण प्रदान किया।

प्रशिक्षण में बताया गया कि जनगणना के प्रथम चरण में 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण एवं गणना का कार्य किया जाएगा, जिसके लिए नगरीय एवं ग्रामीण स्तर पर चार्ज अधिकारियों की नियुक्ति की जा चुकी है। प्रगणक सुपरवाइजर के निर्देशन में घर-घर जाकर सर्वेक्षण करेंगे और प्रत्येक भवन का सत्यापन किया जाएगा।

इस बार जनगणना प्रक्रिया में डिजिटल तकनीक का व्यापक उपयोग किया जाएगा। आंकड़ों का संकलन मोबाइल ऐप के माध्यम से होगा, जिसमें जीपीएस तकनीक से गणना ब्लॉक की सीमा दर्ज की जाएगी तथा कार्य की रियल टाइम मॉनिटरिंग सीएमएमएस पोर्टल से की जाएगी।

आईटीसी चौपाल सागर मंदसौर में तीन दिवसीय चौपाल महोत्सव का शुभारंभ

नयाखेडा/नाहरगढ। आईटीसी चौपाल सागर नयाखेडा पर तीन दिवसीय 20,21,22 फरवरी चौपाल महोत्सव का आयोजन हुआ जिसका शुभारंभ शुक्रवार को सुबह 11:30 किया गया अतिथि सीएसपी जितेन्द्र भास्कर मंदसौर, कृषि सहायक संचालक अनिता धाकड, उधानिकी विभाग से डाक्टर रोशन गलानि, एरिया मेनेजर पवन धाडसे, रिटेल हेड निखिल शर्मा की गरिमामय उपस्थित मे मां सरस्वती का पूजन कर आयोजन की शुरुआत हुई। अतिथि का स्वागत पवन धाडसे, अमित कुमार भारद्वाज ने किया। चौपाल महोत्सव मे उत्कृष्ट किसान पर रामनिवास पाटीदार व विनोद गुर्जर का सम्मान हुआ। चौपाल मार्श एप पर पर सभी जानकारी है। चौपाल महोत्सव मे जानकारी और मनोरंजन का महापर्व है जिसमे युवाओ के लिए करियर परामर्श, सांस्कृतिक कार्यक्रम, महिलाओ के लिए आत्मरक्षा सत्र,किसान कृषि विशेषज्ञ संवाद का आयोजन होगा। प्रथम दिवस किसान गतिविधिया, परिवार/बच्चों की गतिविधियाँ जागरूक किसान11:30-12:00,औपचारिक उद्घाटन 12:00-12:15, मुख्य अतिथि द्वारा प्रगतिशील किसान सम्मान 12:15-2:00, किसान गोष्ठी ।

एक नजर | **श्रद्धालुओं ने बचाई जान; मामले ने खड़े किए सवाल**

ताकेश्वर के जंगल में पेड़ से उल्टा लटका मिला बुजुर्ग

भानपुरा/मंदसौर। भानपुरा तहसील स्थित ताकेश्वर महादेव मंदिर क्षेत्र के घने जंगल में एक 60 वर्षीय बुजुर्ग पेड़ से उल्टा लटका मिला, जिसे समय रहते श्रद्धालुओं ने बचा लिया। घटना 15 फरवरी महाशिवरात्रि की दोपहर लगभग 3 बजे की बताई जा रही है, लेकिन बचाव का वीडियो वायरल होने के बाद मामला 18 फरवरी को चर्चा में आया।

पुलिस के अनुसार पीड़ित की पहचान कन्हैयालाल लुहार निवासी ग्राम नोलई, थाना पिड़ावा, जिला झालावाड़ (राजस्थान) के रूप में हुई है। बताया गया कि वे दुधाखेड़ी माताजी के दर्शन के लिए आए थे और बाद में ताकेश्वर क्षेत्र के जंगल में पहुंच गए। गांधीसागर थाना पुलिस ने प्रारंभिक तौर पर परिजनों के हवाले से बुजुर्ग को मानसिक रूप से अस्वस्थ बताते हुए आत्महत्या के प्रयास की आशंका जताई है।

हालांकि प्रत्यक्षदर्शियों और ग्रामीणों ने पुलिस की इस आशंका पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि भारी शरीर और उम्र को देखते हुए बुजुर्ग का स्वयं पेड़ से उल्टा लटक जाना संभव नहीं लगता। वहीं कन्हैयालाल के पुत्र मुकेश लुहार ने भी पिता को मानसिक रूप से स्वस्थ बताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने बताया कि उनके पिता को दो वर्ष पहले लकवा हुआ था और वे अक्सर तीर्थ दर्शन के लिए जाते रहते थे, ऐसे में उनका दूरस्थ और खतरनाक जंगल में पहुंचना संदिग्ध प्रतीत होता है।

> जानकारी के अनुसार बुजुर्ग की मदद के लिए भानपुरा के मोनू भूटानी, बालकिशन, सचिन गेहलोत सहित अन्य श्रद्धालु मौके पर पहुंचे और उन्हें पेड़ से उतारकर सुरक्षित बाहर लाए। मंदिर के पुजारी राजेश जोशी की उपस्थिति में पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद पीड़ित को गांधीसागर थाने भेजा गया।
> ताकेश्वर महादेव मंदिर परिसर से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर पहाड़ी ढलान पर स्थित घने जंगल में हुई इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी प्रश्नचिन्ह लगा दिए हैं। मंदिर समिति और स्थानीय नागरिकों ने क्षेत्र में चौबीस घंटे सुरक्षा तैनाती की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।
> फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है, जबकि परिजन और स्थानीय लोग घटना की सच्चाई सामने लाने की मांग कर रहे हैं।

नीमच

एक नजर में

इनर व्हील डायमंड ने शासकीय प्राथमिक विद्यालय खड़ावदा में किया सेवा प्रकल्प

नीमच। सामाजिक सेवा गतिविधियों में अग्रणी संस्था इनर व्हील क्लब ऑफ़ नीमच डायमंड द्वारा गोद लिए गए शासकीय प्राथमिक विद्यालय खड़ावदा में 'हैप्पी स्कूल' प्रकल्प के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्य किए गए। क्लब की इस पहल से विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो रहा है। हैप्पी स्कूल प्रोजेक्ट के अंतर्गत क्लब द्वारा विद्यालय की लाइब्रेरी हेतु अलमारी एवं विभिन्न विषयों की उपयोगी पुस्तकें प्रदान की गईं। साथ ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए खेलकूद सामग्री भी उपलब्ध कराई गई, जिससे बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को प्रोत्साहन मिलेगा। क्लब अध्यक्ष पूजा गर्ग ने बताया कि 'हैप्पी स्कूल' का मुख्य उद्देश्य विद्यालय को स्वच्छ, सुसज्जित एवं प्रेरणादायक वातावरण प्रदान करना है, ताकि विद्यार्थी आनंदपूर्वक शिक्षा ग्रहण कर सकें। उन्होंने कहा कि क्लब भविष्य में भी शिक्षा एवं बाल विकास से जुड़े प्रकल्पों के माध्यम से समाजसेवा के कार्य निरंतर करता रहेगा। इस अवसर पर क्लब सचिव पायल गुर्जर, कोषाध्यक्ष दिव्या जैन, निकिता पगारिया, डिम्पल चांदना, प्रियांका नागदा, विद्यालय प्राचार्य दशरथ सिंह राठौर एवं ग्रामवासियों ने क्लब के प्रति आभार व्यक्त किया। यह सेवा प्रकल्प क्लब सदस्या पायल धाडेती के विशेष सहयोग से संपन्न हुआ।

श्री एस आर ग्रुप ऑफ कॉलेज द्वारा गुजरात डिस्कवरी 2026 तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कराया

नीमच। महाविद्यालय परिसर से प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थियों के समूह द्वारा गुजरात भ्रमण हेतु प्रस्थान किया गया, जिसमें प्रथम दिवस स्वामी नारायण मंदिर पोईचा तथा नर्मदा सेंचुरी का आनंद लिया, द्वितीय दिवस की शुरुआत में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (सरदार वल्लभ भाई पटेल की स्टैच्यू) जो की विश्व की सबसे ऊंची स्टैच्यू है, विद्यार्थियों को उनकी इस विशालकाय स्टैच्यू के साथ साथ उनके इतिहास से अवगत कराया, तत्पश्चात स्टेच्यू के समीप स्थित जंगल सफारी में मौजूद विभिन्न प्रकार के मनमोहक जीव जंतु देखने का लुत्फ उठाया, रात्रि विश्राम के पश्चात तृतीय दिवस में सभी विद्यार्थियों को देश के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक श्री पावागढ़ काली माता मंदिर के दर्शन लाभ दिलाए गए, विद्यार्थियों में आस्था का एक अलग ही उत्साह जाग उठा, वही सभी ने मंदिर परिसर में गरबे ओर भजन का आनंद लिया। इसके पश्चात साइंस सिटी अहमदाबाद का रुख करते हुए छात्रों ने एक्वेटिक गैलरी, ओर रोबोटिक्स गैलरी में टेक्नोलोजी का वो रूप देखा जो भविष्य में एक अहम भूमिका निभाएगी। अहमदाबाद के व्यंजनों और वहां के बाजार का भ्रमण करने के बाद पुनः नीमच की ओर अग्रसर हुए और इसी के साथ शैक्षणिक भ्रमण का कार्य सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

जीरन कॉलेज विवाद, मारपीट के आरोप

विरोध और सियासी दबाव के बीच प्रभारी प्राचार्य पर कार्रवाई कब

नीमच। जीरन के शासकीय महाविद्यालय में प्रभारी प्राचार्य दीपा कुमावत से जुड़ा विवाद लगातार चर्चा में बना हुआ है। मारपीट, अभद्र व्यवहार के आरोप, एफआईआर और विरोध-प्रदर्शनों के बाद कॉलेज का माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। मामले में प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं और छात्र-शिक्षक दोनों पक्षों में नाराजगी दिखाई दे रही है। अतिथि विद्वान शिक्षा सोनी ने आरोप लगाया कि विवाद के दौरान उनके साथ बाल पकड़कर मारपीट और अभद्र व्यवहार किया गया, जिसके बाद मामला थाने पहुंचा और विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज हुआ। यह घटना कॉलेज में पहले से चल रहे आंतरिक विवादों के बीच बड़ा टकराव बनकर सामने आई।

लगातार बढ़ता विरोध

- छात्रों और अतिथि विद्वानों द्वारा प्रदर्शन व ज्ञापन।
- कॉलेज स्टाफ और प्राचार्य के बीच तीखे मतभेद।
- जांच के दौरान हंगामा और पुलिस हस्तक्षेप।

छात्र संगठनों और जनप्रतिनिधियों तक शिकायतें

मामले ने राजनीतिक रंग तब लिया जब भाजपा नेता मधुसूदन राजोरा सहित कई कार्यकर्ताओं ने कार्रवाई की मांग उठाई। संगठन के भीतर भी नाराजगी की चर्चा सामने आई और शिकायतें उच्च स्तर तक पहुंचने की बात कही जा रही है। वहीं क्षेत्रीय विधायक दिलीप सिंह परिहार को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार कार्यकर्ताओं और कॉलेज से जुड़े लोगों द्वारा कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन ठोस समाधान नहीं निकलने से असंतोष का माहौल बना हुआ है।

प्राचार्य का पक्ष

पूरे घटनाक्रम को लेकर प्रभारी प्राचार्य दीपा कुमावत ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे इस विषय पर फोन पर चर्चा नहीं करना चाहतीं और कॉलेज परिसर में ही आधिकारिक रूप से बात कर सकती हैं। फिलहाल छात्र, स्टाफ और अभिभावक निष्पक्ष जांच तथा स्पष्ट प्रशासनिक निर्णय की मांग कर रहे हैं। अब देखना होगा कि विवादों के बीच कॉलेज का शैक्षणिक माहौल सामान्य करने के लिए प्रशासन और जनप्रतिनिधि क्या कदम उठाते हैं।

फव्वारा चौक पर योग शिक्षक अचेत, चौकी प्रभारी ने सीपीआर देकर बचाई जान

निजी वाहन से अस्पताल पहुंचाया

नीमच। शहर के फव्वारा चौक पर शुक्रवार को एक 65 वर्षीय योग शिक्षक अचानक अचेत होकर गिर गए। इस दौरान वहां से गुजर रहे कंजार्डा चौकी प्रभारी श्यामलाल कुमावत ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उनकी जान बचाई।

जवाहर नगर निवासी योग शिक्षक फव्वारा चौक से गुजर रहे थे, तभी वे बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। आसपास मौजूद लोग स्थिति को समझ नहीं पा रहे थे। उपनिरीक्षक कुमावत ने तुरंत बुजुर्ग की गंभीर हालत और उनकी थम रही सांसों को पहचान लिया। एसआई कुमावत ने बिना किसी देरी के सड़क पर ही बुजुर्ग को कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (ष्टक्क) देना शुरू कर दिया। उनके सीने को पंप करने से बुजुर्ग की सांसें वापस लौट आईं। उन्होंने एंबुलेंस का इंतजार किए बिना, अपने निजी वाहन से उन्हें तत्काल पास के अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने बताया कि यदि 2-4 मिनट की भी देरी होती, तो स्थिति गंभीर हो सकती थी।

अस्पताल में उपचार के बाद योग शिक्षक की हालत अब स्थिर बताई जा रही है। सूचना मिलने पर अस्पताल पहुंचे परिजनों ने पुलिसकर्मी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी की सूझबूझ से उनके परिवार को बड़ी क्षति से बचाया जा सका।

एक नजर | **महिला कांग्रेसियों को लताड़**

बिना नोटिस घर तोड़े, भ्रष्टाचार का आरोप, पट्टे के नाम पर 20 हजार वसूले

नीमच। जिले के मनासा स्थित नेहरू कॉलोनी के पीछे झुग्गी बस्ती में प्रशासन की अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई के बाद आक्रोश और राजनीतिक गहमागहमी देखने को मिल रही है। शुक्रवार को बड़ी संख्या में प्रभावित परिवार अपनी शिकायत लेकर नीमच कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। यहां ज्ञापन देने के दौरान रहवासियों और महिला कांग्रेस की नेताओं के बीच तीखी बहस हो गई।

रहवासियों ने महिला कांग्रेस के हस्तक्षेप पर आपत्ति जताते हुए कहा कि वे अपनी लड़ाई खुद लड़ेंगे और उन्हें किसी राजनीतिक समर्थन की आवश्यकता नहीं है। इस नोकझोंक के बाद रहवासियों ने अकेले ही डिप्टी कलेक्टर पराग जैन को अपनी समस्या बताई।

उनका आरोप है कि वे पिछले 20 वर्षों से वहां कच्चे मकान बनाकर रह रहे थे। 19 फरवरी को नगर परिषद की टीम बिना किसी पूर्व लिखित या मौखिक सूचना के अचानक जेसीबी लेकर पहुंची और वर्षों पुरानी झोपड़ियों को जमींदोज कर दिया। प्रशासन ने घरों में रखा गृहस्थी का सामान निकालने का भी मौका नहीं दिया, जिससे कई गरीब परिवार अब भीषण ठंड में खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं।

इन पर अवैध वसूली का आरोप

ज्ञापन में नगर परिषद के कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार का चौंकाने वाला आरोप लगाया गया है। पीड़ित परिवारों का कहना है कि नगर परिषद के कर्मचारी रामपाल सोनी और वार्ड प्रभारी ने पिछले एक साल से पट्टे दिलाने के नाम पर उनसे अवैध वसूली की है। कई लोगों से 10 से 20 हजार रुपए की राशि हड़पी गई, लेकिन पट्टा देने के बजाय उन्हें बेघर कर दिया गया।

अब पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से मांग की है कि मौके का मुआयना कर उन्हें उसी स्थान पर पुनः विस्थापित किया जाए और दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाए। रहवासियों का कहना है कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलता और पट्टे नहीं दिए जाते, उनका संघर्ष जारी रहेगा।